

25.05.18

वकील अफी. उपोद्यत नहीं है न ही स्वयं अफी.
उपोद्यत है। दोनों का बार-बार आवाज
दिलाई गई। अफी. की ओर से कोई उपोद्यत
नहीं आया। अफी. पूर्व पेशी पर भी उपोद्यत
रहे हैं, उपोद्यत होने वाकत एक अकसर
दिया जा चुका है। अतः अफील अदम हाजरी
व अदम पेशी के खारेज की जाती है। पत्रावली
फैसल अुमार होकर बाद तकमिल जायत। दाखिल
दफ्तर है।

संभागीय आयुक्त
भरतपुर संभाग, भरतपुर